लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 23 May 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

सख्ती : हर छह माह में कराना होगा पीएचडी का मूल्यांकन

ड्रॉपआउट रोकने व शोध की गुणवत्ता सुधारने के लिए लविवि लागू करेगा नई व्यवस्था

माई सिटी रिपोर्टर

शोध में आएगी नियमितता

"शोध एक नियमित प्रक्रिया है। उच्च गुणवत्ता के शोध के लिए शोधार्थी को उसमें लगातार लगना होता है। इसलिए प्रस्तावित ऑर्डिनेंस में यह व्यवस्था की जा रही है कि हर छह महीने पर उसका मूल्यांकन होगा। इससे शोध में नियमितता आएगी साथ ही उसकी दिशा भी सही रहेगी।
– प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी के ड्रॉपआउट रोकने तथा गुणवत्ता सुधारने के लिए अब हर छह माह में मूल्यांकन की व्यवस्था लागू होने जा रही है। लविवि के प्रस्तावित नए पीएचडी आर्डिनेंस में यह व्यवस्था की जा रही है। आर्डिनेंस लगभग बनकर तैयार है। इसमें कई अहम बदलाव किए गए हैं। अब उनको सभी शैक्षणिक बॉडी से पास कराकर लागू किया जाएगा।

लविवि के प्रस्तावित पीएचडी आर्डिनेंस में जेआरएफ तथा अन्य फेलोशिप वाले मेधावियों को सीधे दाखिले के विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है। एक बड़े बदलाव के तहत पीएचडी कोर्स वर्क में अब अभ्यर्थियों को आठ के बजाय 12 क्रेडिट हासिल करने होंगे। इसके लिए कोर्स वर्क में पब्लिकेशन एथिक्स पर एक अतिरिक्त पेपर बढ़ाया जाएगा। इससे शोधपत्र प्रकाशित करने की संख्या और गुणवत्ता दोनों बढ़ेगी।

इसके साथ ही नए पीएचडी आर्डिनेंस में महिला और दिव्यांगों को अब सात साल के बजाय 10 साल तक की अवधि में पीएचडी थीसिस जमा करने का मौका देने पर लगभग सहमति बन चुकी है। पीएचडी का प्रस्तावित आर्डिनेंस तैयार होने के बाद विभिन्न शैक्षणिक समितियों से पास करने के बाद कार्य परिषद में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। कार्य परिषद की मंजूरी के बाद अंतिम मुहर के लिए इसे राजभवन भेजा जाएगा। राजभवन से मंजूरी मिलने के बाद ही नए आर्डिनेंस के हिसाब से दाखिले होंगे।

लविवि में बिखरे वैश्विक सांस्कृतिक विरासत के रंग

लविवि में सांस्कृतिक विविधता उत्सव में शामिल छात्र-छात्राएं। -संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

विवि के ऑफिस फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स की ओर से आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर सोमवार को विश्व के विभिन्न देशों की सांस्कृतिक विविधता के रंग में रंगा नजर आया। मॉरीशस, ताजिकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, नाइजीरिया, इराक, बोत्सवाना, घाना, मलावी और इंडोनेशिया जैसे देशों के विद्यार्थियों ने परिसर में अपनी संस्कृतियों की नुमाइंदगी की।

विवि के ऑफिस फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स की ओर से सांस्कृतिक विविधता का उत्सव नामक इस आयोजन में छात्रों ने अपने-अपने देश की कविताएं और मुहावरे भी सुनाए। ताजिकिस्तान के श्री खोदाजेव इस्कंदर ने ताजिकिस्तान की संस्कृति और इतिहास पर प्रस्तुति दी। मॉरीशस की नंदिनी ने क्रियोल भाषायी संस्कृति पर बात की तो श्रीलंका की इहारा ने अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचय कराया। अफगानिस्तान के हादी ने अफगानिस्तान की कहावतें सुनाईं। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि भारतीय परंपरा ने हमेशा विचार और विश्वदृष्टि की बहुलता का स्वागत किया है। हम विविधता का सम्मान करते हैं।

प्रो. आरपी सिंह, निदेशक, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय छात्र सलाहकार ने कहा कि सांस्कृतिक मुद्दों पर संवाद मौजूदा समय की जरूरत है।

छात्रों से मिले कुलपति, जानीं समस्याएं

लखनऊ। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार को नवीन परिसर स्थित कौटिल्य व होमी जहांगीर भाभा छात्रावासों का निरीक्षण कर छात्रों से मिले और उनकी समस्याएं जानीं। उनकी शिक्षा कक्षाओं के बारे में भी बातचीत की। छात्रों से कहा कि यदि उन्हें किसी तरह की कोई भी समस्या हो तो वह अपने विभागाध्यक्ष और संकाय अध्यक्ष से इसे साझा करें, ताकि समय पर निराकरण किया जा सके। इस दौरान डीन प्रो. बीडी सिंह सहित अन्य शिक्षक भी मौजूद रहे। (संवाद)

रोवर्स रेंजर्स के लिए लविवि जुटाएगा फंड

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय रोवर्स रेंजर्स (स्काउट) के लिए फंड जुटाएगा। इसके विश्वविद्यालय सहित सभी शासकीय महाविद्यालय व स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों से 50 रुपये शुल्क लिया जाएगा। रोवर्स रेंजर्स के प्रशिक्षण के तहत छात्र-छात्राओं में समाज सेवा करने की उत्सुकता पैदा बढ़ती है। कुलसचिव प्रो. संजय मेधावी ने सोमवार को पत्र जारी करते हुए सभी शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों और स्ववित्तपोषित संस्थानों को छात्र-छात्राओं से 50 रुपये शुल्क लेकर रोवर्स रेंजर्स फंड में जमा कराने के निर्देश दिए है। कुलसचिव ने बताया कि कार्यपरिषद की बैठक से अनुमोदन के बाद यह शुल्क तय किया गया है। (संवाद)

प्रयोगात्मक परीक्षाएं तीन जून को

लखनऊ। लविवि में बीएससी बॉटनी पाठ्यक्रम के विषम सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं तीन जून को आयोजित कराई जाएंगी। विभागाध्यक्ष प्रो. मुन्ना सिंह ने सोमवार को पत्र जारी करते हुए बीएससी वनस्पति विज्ञान विभाग के पहले, तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाओं की तिथियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षाएं विभाग में आयोजित कराई जाएंगी। विद्यार्थियों को परीक्षा शुरू होने के एक घंटे पहले उपस्थिति दर्ज करानी होगी। (संवाद)

i-NEXT PAGE 3

एलयू में सांस्कृतिक विविधता का हुआ उत्सव

मॉरीशस की नंदिनी ने क्रियोल भाषायी संस्कृति पर चर्चा की

LUCKNOW (22 May): लखनऊ यूनिवर्सिटी के ऑफिस फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स में सोमवार को सांस्कृतिक विविधता का उत्सव (जीवन के उत्साह के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां) विषय पर एक संगोष्ठी हुई. इस दौरान मॉरीशस, तजाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, नाइजीरिया, इराक, बोत्सवाना, घाना, मलावी, इंडोनेशिया के प्रतिभागियों ने विचार व्यक्त किए व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं. मॉरीशस की नंदिनी ने क्रियोल भाषायी संस्कृति पर चर्चा की , श्रीलंका की इहारा ने श्रीलंका की संस्कृति पर चर्चा की. अफगानिस्तान के हादी ने अफगानिस्तान की कहावतों पर प्रस्तुतीकरण दिया. वीसी प्रो आलोक कुमार राय ने अपने संदेश में कहा कि वर्तमान विश्व व्यवस्था में अलग अलग संस्कृतियों और संबंधित प्रथाओं पर सम्यक चर्चा परिचर्चा की जरूरत है. प्रो. पूनम टंडन, डीन एकेडमिक्स और डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम किसी भी समावेशी शैक्षणिक परिसर में शैक्षणिक जीवंतता को बढ़ा रहे हैं.

AMRIT VICHAR PAGE 4

बीएससी विषम सेमेस्टर की परीक्षा 3 जून को

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि के बीएससी वनस्पति विज्ञान की विषम सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा तीन जून को होगी। जनसंपर्क अधिकारी दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बीएससी के विषम सेमेस्टर एक, तीन व पांच की वनस्पति विज्ञान परीक्षा (2022-23) के अनुसार आयोजित की जाएगी। वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से सभी बीएससी छात्र व छात्राओं को परीक्षा शुरू होने के एक घंटे पहले पहुंचने का निर्देश दिया गया है।

लविवि में हुआ सांस्कृतिक विविधता का उत्सव

अमृत विचार लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के ऑफिस फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स ने सोमवार को "सांस्कृतिक विविधता का उत्सव"(जीवन के उत्साह के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां)" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।इस मौके पर मॉरीशस, ताजिकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, नाइजीरिया, इराक, बोत्सवाना, घाना, मलावी, इंडोनेशिया और भारत के छात्रों ने अपने अपने देशों की संस्कृतियों पर विचार व्यक्त किये।

JAGRAN CITY PAGE III

नई पीढ़ी के लिए अपडेट हो रहे गुरुजी

लखनऊ विश्वविद्यालय के एचआरडीसी में तीन साल में बढ़ी प्रशिक्षित होने वालों की संख्या

जासं, लखनऊ : अब विश्वविद्यालय एवं डिग्री कालेज के शिक्षक खुद को भी समय के अनुसार अपग्रेड करने में लगे हैं। उच्च शिक्षा में हो रहे बदलाव और नई तकनीक के अनुसार वह खुद को तैयार कर रहे हैं। इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में यूजीसी के अंतर्गत संचालित मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) केंद्र में शिक्षकों को अलग-अलग विषयों में ट्रेंड किया जा रहा। उनके लिए शार्ट टर्म कोर्स भी तैयार करके दक्ष बनाया जा रहा है। पिछले तीन साल में रिफ्रेशर व शार्ट टर्म कोर्स में शिक्षकों का रुझान बढ़ा है। अब जल्द ही एक साल का नया शेड्यूल भी यूजीसी से आने के बाद कार्यक्रम शुरू होंगे।

एचआरडीसी के निदेशक प्रोफेसर कमल कुमार बताते हैं कि यूजीसी की ओर से हर साल एचआरडीसी के लिए प्रोग्राम आते हैं। उसी के अनुसार नए और पुराने शिक्षकों को यह प्रशिक्षण लेना होता है।

प्रमोशन के लिए अनिवार्य : प्रत्येक शिक्षक को प्रमोशन के लिए दो रिफ्रेशर और दो ओरियंटेशन प्रोग्राम करना अनिवार्य है। रिफ्रेशर कोर्स दो सप्ताह का वरिष्ठ शिक्षकों के लिए होता है। इसमें विषय विशेषज्ञता, इनफार्मेशन टेक्नोलाजी, मोटिवेशनल स्किल से लेकर एनईपी व अन्य जानकारी से अपडेट किया जाता है। वहीं, नए शिक्षकों के लिए एक महीने होने वाले गुरु दक्षता कोर्स में सभी विषयों के प्रति जागरूकता, पर्सनालिटी डेवलपमेंट पर फोकस रहता है। एचआरडीसी की ओर से एक साल के प्रोग्राम का प्रस्ताव यूजीसी को भेजा गया है। वहां से मंजूरी मिलते ही शुरू किया जाएगा।

इंडियन नालेज सिस्टम पर रहेगा जोर : प्रो. कमल कुमार ने बताया कि एचआरडीसी की ओर पूरे वर्ष का शेड्यूल भेजा गया है। जल्द ही यूजीसी से मंजूरी के बाद आएगा। इस बार केमिस्ट्री, संस्कृत, जाग्रफी सहित हर विषय में इंडियन नालेज सिस्टम पर जोर रहेगा।

तीन साल में दक्षिता हासिल करने वाले शिक्षक

2020-21	471
2021-22	654
2022-23	968

पीने के पानी से हाथ या बर्तन धोए तो कार्रवाई

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सभी छात्रावासों में पीने के पानी की बर्बादी रोकने के लिए अब सख्ती शुरू कर दी है। अब छात्रावासों में कोई भी पीने के पानी से हाथ, बर्तन आदि नहीं धो सकेगा। यदि किसी भी व्यक्ति को ऐसा करते पाया गया तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) प्रोफेसर पूनम टंडन ने सभी प्रोवोस्ट को इस आशय के निर्देश भेज कर अमल में लाने के लिए कहा गया है।

लवि में बीते दिनों हास्टल के छात्रों ने समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया था। उसमें पीने के पानी की समस्या प्रमुख थी। डीएसडब्ल्यू ने सभी प्रोवोस्ट के साथ बैठक कर पीने के पानी की व्यवस्था और बेहतर करने, पानी की बर्बादी रोकने के निर्देश दिए हैं। इसकी रोज मानीटरिंग की जाएगी।

एडिशनल डीएसडब्ल्यू की टीम ने छात्रों के साथ जाकर समस्याएं देखीं • सौजन्य से लवि

सभी कैंटीनों में हो फिल्टर वाटर : विश्वविद्यालय परिसर में संचालित सभी कैंटीन संचालकों को अपने यहां फिल्टर वाटर (200 टीडीएस) की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। सोमवार को डीएसडब्ल्यू ने कैंटीन संचालकों को यह निर्देश जारी किए। कहा गया है कि कैंटीन में बैठने की जगह साफ-सफाई के साथ-साथ खाना पकाने की जगह भी साफ होनी चाहिए। बर्तनों को साफ रखने, हाथ धोने के लिए वाशबेसिन लगाने व निर्माण विभाग के समन्वय से कूड़े का निस्तारण किया जाए। डीएसडब्ल्यू ने साफ कहा है कि तीन कार्य दिवस में यह व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अन्यथा निरीक्षण में समस्या मिलने पर कैंटीन संचालक के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

छात्रों संग समस्याएं देखने गई टीम : हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शन में छात्रों ने कई समस्याएं उठाई थीं। उन समस्याओं को देखने के लिए सोमवार को एडिशनल डीएसडब्ल्यू डा. अलका मिश्रा, डा. विवेक व डा. राघवेंद्र छात्रों को लेकर समस्याएं देखने पहुंचे। डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि टीम ने हास्टल से लेकर कैंपस में कई जगह दौरा कर समस्याएं नोट की हैं। उनका निस्तारण किया जा रहा है।

रोवर्स-रेंजर्स फंड के लिए विद्यार्थियों देने होंगे 50 रुपये

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त सभी महाविद्यालयों में पढने वाले छात्र-छात्राओं को 50-50 रुपये की धनराशि रोवर्स रेंजर्स फंड में जमा करने के लिए देनी होगी। उच्च शिक्षा निदेशक की ओर से पत्र आने के बाद कुलसचिव संजय मेधावी ने सोमवार को सभी कालेजों के लिए निर्देश जारी किए हैं। (जासं)

प्रयोगात्मक परीक्षा तीन को

लखनऊ : लवि ने बीएससी बाटनी पहले, तीसरे व पांचवें सेमेटर के छूटे हुए विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा तीन जून को होगी। इसका नोटिफिकेशन जारी किया है। परीक्षा में शामिल होने के लिए सुबह 10 बजे बाटनी विभाग में पहुंचना होगा। (जासं)

PIONEER PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय में मना सांस्कृतिक विविधता का उत्सव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के ऑफिस फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स ने सोमवार को सांस्कृतिक विविधता का उत्सव (जीवन के उत्साह के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां) विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में मॉरीशस, ताजिकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, नाइजीरिया, इराक, बोत्सवाना, घाना, मलावी, इंडोनेशिया और भारत आदि के वक्ताओं ने उक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त किये एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। प्रतिभागियों ने अपने अपने देशों की संस्कृतियों पर विचार व्यक्त किये, कवितायेँ पढ़ीं और अपनी संस्कृतियों को प्रदर्शित करने के लिए गीत गाये । ताजिकिस्तान के खोदाजेव इस्कंदर ने ताजिकिस्तान की संस्कृति और इतिहास पर प्रस्तुति दी। मॉरीशस की नँदिनी ने क्रियोल भाषायी संस्कृति पर चर्चा की, श्रीलंका की इहारा ने श्रीलंका की संस्कृति पर चर्चा की। अफगानिस्तान के हादी ने अफगानिस्तान की कहावतों पर प्रस्तुतीकरण दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने अपने संदेश में कहा कि वर्तमान विश्व व्यवस्था में विभिन्न संस्कृतियों और संबंधित प्रथाओं पर सम्यक चर्चा परिचर्चा की आवश्यकता है । उत्तर आधुनिक चरण ने एक ऐसा विविध स्वर संगत पेश किया है जहां अर्थ की तरलता और बहुलता का लक्षित होती है। भारतीय परंपरा ने हमेशा विचार और विश्वदृष्टि की बहुलता का स्वागत किया है और जीवन पर हमारे सिद्धांत इसे प्रकट करते हैं। इसके साथ तालमेल बिठाते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय विचारों और विश्वासों के मुक्त प्रवाह की पेशकश करता है, और हम यहां विविधता का सम्मान करते हैं। प्रोफेसर पूनम टंडन डीन एकेडमिक्स और डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम किसी भी समावेशी शैक्षणिक परिसर में शैक्षणिक जीवंतता को बढ़ा रहे हैं। प्रोफेसर आरपी सिंह निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय छात्र सलाहकार ने कहा कि सांस्कृतिक मुद्दों पर संवाद और पार सांस्कृतिक संचार प्रामाणिक शिक्षण एवं सीखने सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए आवश्यक हैं। वैश्विक शैक्षणिक समुदायों के साथ सांस्कृतिक अनुभव साझा करना वर्तमान विश्व संस्कृति में समय की आवश्यकता है। सांस्कृतिक विविधता को पहचानना और तत्सम्बन्धी नीतियों का निर्माण करना प्रासंगिक है।

एकेटीयू की प्रायोगिक एवं प्रोजेक्ट परीक्षाएं 27 मई से

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के सत्र 2022.23 सम सेमेस्टर की प्रयोगात्मक एवं प्रोजेक्ट परीक्षाएं 27 मई से 2 जून के बीच आयोजित होगी। बी टेक बी फार्मा सहित अन्य पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं होगी। परीक्षा संपन्न कराने के लिए परीक्षकों की ड्यूटी भी लगाई जाएगी। साथ ही विभिन्न पाठ्यक्रमों में सेमेस्टर में अध्ययनरत छात्र छात्राओं के रेगुलर एवं कैरीओवर विषयों के अतिरिक्त अंकों कोई ई आर पी पोर्टल पर अपलोड करने के लिए 27 मई से 12 जून तक पोर्टल खोला जाएगा।

HT PAGE 3

{ CELEBRATING CULTURAL DIVERSITY } LUCKNOW UNIVERSITY

Students from India, abroad share cultural issues

HT Correspondent
Letters@htlive.com

Students from Mauritius, Tajikistan, Afghanistan, Sri Lanka, Nigeria, India and other countries took part in the meet. SOURCED

LUCKNOW: The office for international affairs at Lucknow University organised a colloquium on 'Celebrating Cultural Diversity (Cultural Renditions on Zest for Life)' at Maitri Bhavan Hall, University of Lucknow on Monday. Students from Mauritius, Tajikistan, Afghanistan, Sri Lanka, Nigeria, Iraq, Botswana, Ghana, Malawi, Indonesia and India presented the cultural issues of their countries.

The students presented thoughts on significant cultural issues, read poems and sang songs to showcase their cultures. Iskander, a student from Tajikistan made a brief presentation on the culture and history of the country. Nandini from Mauritius sang Creole texts and Ihara from Sri Lanka discussed the culture of her land. Hadi from Afghanistan discussed the proverbs and Pritam and a group from India sang Rabindra Sangeet. Shruti Mishra and Namrah Rizvi, Vatsal Sharma read out Hindi and Urdu poetry. The rendition of Urdu texts by Shahana a student from Mauritius got all praise.

Vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai, in his message, said, "In the globalised world order, it must be our sincere effort to consider the essence of different cultures and related practices. The postmodern phase has offered a polyphonic spectacle where fluidity and plurality hold sway. Indian tradition has always welcomed the plurality of thought and world view, and our canons on life manifest it."

HINDUSTAN PAGE 5

रोवर्स-रेंजर्स फंड में छात्रों को देने होंगे पचास रुपए

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। एलयू और सभी सम्बद्ध डिग्री कॉलेजों के छात्रों को 50 रुपए रोवर्स-रेंजर्स फंड में जमा करना होगा। इस सम्बंध में एलयू कुलसचिव ने सोमवार को आदेश जारी किया। रोवर्स-रेंजर्स फंड में प्रति छात्र पचास रुपए जमा करने निर्देश में शिक्षा निदेशक (उच्च शिक्षा) डिग्री विकास अनुभाग की ओर से दिए थे।

लेफ्ट ओवर प्रैक्टिकल तीन जून को: बीएससी प्रथम, तृतीय और पांचवे सेमेस्टर के लेफ्ट ओवर बॉटनी प्रैक्टिकल तीन जून को होंगे। बॉटनी विभागाध्यक्ष प्रो. मुन्ना सिंह ने बताया कि सुबह दस बजे बॉटनी विभाग पंहुचना होगा।